(8)

नववर्ष के आगमन पर

सूर्य की फैले ज्यों शुभ रश्मि,
उदित हो ज्यों ही नवल प्रभात I
पुलक पूरित होती सब सृष्टि,
खिले मन पुण्डरीक अवदात II

करें संकल्प हमारे सुदृढ़,
द्वेष-दुख-द्वन्द्व-तिमिर का नाश I
करें मानव में करुणासिन्धु,
विमल प्रज्ञा का अमित विकास II

- शिव कुमार मिश्र